

खबर संक्षेप

पंजाब के दो तस्कर चूरा पोस्ट सहित दबोचे
फतेहाबाद। सदर रतिया पुलिस ने पंजाब के दो नश तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बटिंडा के गांव पथराला निवासी सर्वजीत सिंह पुत्र गुरजंट सिंह तथा मनपिंद्र सिंह पुत्र कुलवंत सिंह को 2 किलो 100 ग्राम चूरा डोडा पोस्ट सहित काबू किया। सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक शोशपाल सिंह ने बताया कि पुलिस चौकी महमड़ा की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी महमड़ा-बीरेवाला मार्ग स्थित भाखड़ा नहर पुल के पास चूरा डोडा पोस्ट लेकर पैदल आने वाले हैं। पुलिस ने दोनों काले रंग के पिट्टू बैग लेकर आते दिखाई दिए। तलाशी में 2 किलो 100 ग्राम चूरा डोडा पोस्ट बरामद हुआ।

अनियंत्रित बाइक नहर में गिरी एक की मौत
सिरसा। डबवाली उपमंडल क्षेत्र में बाइक सवार दो युवक भाखड़ा मेन ब्रांच नहर में गिर गए, जिससे एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मृतक की पहचान राजपुरा माजरा निवासी मनीष के रूप में हुई है। राजपुरा निवासी मनीष व विनोद शनिवार रात को निकटवर्ती राजस्थान के संगरिया में दिहाड़ी मजदूरी करने के बाद बाइक पर घर लौट रहे थे। अबूबशर के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर भाखड़ा मेन ब्रांच नहर में गिर गया। विनोद कुमार किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहा। मनीष की तलाश की जा रही है।

36.87 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार
फरीदाबाद। निवेश के नाम पर 36.87 लाख की ठगी के मामले में खाता उपलब्ध करवाने वाले को साईबर थाना एनआईटी ने आगरा के बंसीलाल चौधरी गिरफ्तार किया है। थाना साइबर अपराध एनआईटी में निवासी एनआईटी फरीदाबाद ने बताया उसको अनजान क्वॉटसप्प नम्बर से कॉल प्राप्त हुआ। जिसमें ठग ने स्टॉक मार्किट में पैसा निवेश करके मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया था।

जींद में पुलिस और अंतरराज्तीय पशु चोरों में मुठभेड़

दो बदमाशों की टांग में लगी गोली व एक पशु तस्कर की गिरकर टांग टूटी

➤ **आरोपितों के कब्जे से दो पिस्तौल व चोरी की पिकअप बरामद**

➤ **उत्तर प्रदेश और जींद में भी दर्ज हैं चार दर्जन मामले**

हरिभूमि न्यूज ►► जींद

गांव बिशनपुरा के निकट बीती रात डिटेक्टिव स्टाफ ने मुठभेड़ के बाद तीन अंतरराज्तीय भैंस चारों को काबू किया है। दो पशु चोरों की टांग में गोली लगी है। जबकि एक पशु चोर की धरपकड़ के दौरान टांग टूट गई। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो पिस्तौल तथा चोरी की पिकअप गाड़ी बरामद की है।

घायलों को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायल पशु चोरों पर उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा में लगभग चार दर्जन चोरी, जानलेवा हमला करने समेत विभिन्न धाराओं



रोहतक। घायल पशु चोरों को को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाए पुलिसकर्मी।



फोटो : हरिभूमि

के तहत मामले दर्ज हैं। डिटेक्टिव स्टाफ प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार शनिवार रात गांव बिशनपुरा बस अड्डे पर नाकाबंदी किए हुए थे। उसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि पिकअप सवार युवक किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है।

जिसके आधार पर डिटेक्टिव स्टाफ ने नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद पिकअप गाड़ी गांव बिशनपुरा की तरफ आई। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रूकने का इशारा किया तो आरोपितों ने गाड़ी को मोड़ने की कोशिश की और

पुलिस गाड़ी को टक्कर मार कर भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने गाड़ी का पीछा किया तो आरोपित गाड़ी से उतर रात के अंधेरे में खेतों में घुस गए और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें दो गोली दो पशु चोरों को जा लगी। जबकि घर पकड़ के दौरान गिरने से एक पशु चोर की टांग टूट गई। जिसके बाद पुलिस ने तीनों पशु चोरों को काबू कर लिया। गोली लगे पहले पशु चोर की पहचान अकबरपुर जिला शामली निवासी फुरकान, दूसरे की पहचान गांव बढेड उत्तर प्रदेश निवासी

तीनों पर केस

सदर थाना पुलिस ने डिटेक्टिव स्टाफ प्रभारी की शिकायत पर तीनों के खिलाफ जानलेवा हमला करने, शस्त्र अधिनियम, सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपितों पर उत्तर प्रदेश तथा जींद में चार दर्जन चोरी, जानलेवा हमला करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

कामिल तथा गिरने से घायल हुए पशु चोरी की पहचान गांव कैराना निवासी सोहेल के रूप में हुई।

कैथल: घर के बाहर बैठे युवक पर हमला बचाव में आए चाचा की सुए मारकर हत्या

कैथल। गांव च्यौदा में शनिवार रात मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। पहले विवाद के बाद लौटे आरोपियों ने दोबारा साथियों के साथ मिलकर चाचा-भतीजे पर हमला कर दिया। बचाव करने आए चाचा पर सुए के वार किए। उसकी अस्पताल में मौत हो गई। जबकि भतीजा घायल हो गया। गांव च्यौदा के अजय ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े 8 बजे वह चाचा राममेहर और अन्य परिजनों के साथ घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान गांव का सुमित आया और गाली-गलौज कर चला गया। इसकी शिकायत उसकी मां से की और घर लौट आया। कुछ देर बाद सागर, रोबिन और विक्रम घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगे। शोर सुनकर वह और चाचा राममेहर बाहर आए तो तीनों ने हाथापाई

बच्चों को देख नहाने की जिद करने लगा

वह रोहित को नए कपड़े दिलाने कुरुक्षेत्र आया था। लौटते वक्त बच्चों को नहर में नहाने देख रोहित मामा से नहाने की जिद करने लगा। वे मिजापुर पुल के पास रुक गए। यहां रोहित नहाने लग गया। इसी दौरान



गहरे पानी में चला गया और बहाव में बह गया। ज्योतिसर पुलिस चौकी इंचार्ज ने बताया कि रविवार को रोहित मामा राजवीर के साथ एसवाईएल नहर पर नहाने के लिए आया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया तेज बहाव में डूब गया। मामा ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक आगे बह गया। गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने नहर में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन सुराग नहीं मिल सका।

पानीपत में लोहे की एंगल गिरने से बच्चे की मौत



पानीपत। गली में रखी लोहे की एंगल पर खेलता बच्चा।

हरिभूमि न्यूज ►► पानीपत

पानीपत में 6 वर्षीय बच्चे पर लोहे की एंगल गिरने से उसकी मौत हो गई। बच्चा फैक्ट्री के बाहर रखी एंगल पर झूल रहा था। शिकायत के आधार पर पुराना औद्योगिक थाना पुलिस ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है। इस हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में दिख रहा है कि बच्चा लोहे की एंगल पर लटका हुआ है। तभी एंगल अचानक गिर जाती है और बच्चा उसके नीचे दब जाता है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के मुबारकपुर गांव निवासी रघुनाथ ने पुराना औद्योगिक थाना पुलिस को बताया कि वह वर्तमान में पानीपत के सौदापुर स्थित श्रवण वाली फैक्ट्री में रहते हैं। उनका 6

बच्चे के सिर पर गंभीर चोटें आईं



रघुनाथ ने आगे बताया कि इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से एंगल उसके ऊपर गिर गई। भारी एंगल सीधे उसके सिर और शरीर के

अन्य हिस्सों पर लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

वर्षीय बेटा सिद्धार्थ 26 जून की शाम करीब 4 बजे घर के बाहर गली में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह गली में अवैध रूप से रखी लोहे की भारी एंगल पर चढ़ गया। पुराना औद्योगिक थाना पुलिस ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सोनीपत: जटेड़ी में युवक की पीट-पीटकर हत्या

सोनीपत। राई थाना क्षेत्र के गांव जटेड़ी में युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया है। वारदात की वजह प्रेम प्रसंग का संदेह बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है।

■ **प्रेम प्रसंग के संदेह में वारदात को दिया अंजाम**

पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला स्थित खंदावली के रहने वाले शिव कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका 26 वर्षीय बेटा विशाल राई औद्योगिक क्षेत्र की एक बेसन कंपनी में काम करता था। विशाल जटेड़ी गांव में किराए पर कमरा लेकर रहता था। उसके पड़ोस में ही ओमवीर नामक व्यक्ति भी सपरिवार किराए पर रहता था। दोनों परिवारों में अच्छे संबंध थे और उनका आपस में आना-जाना था।

LOVED IN
100
COUNTRIES

THE WORLD'S
FAVOURITE
INDIAN

₹3000/- की छूट

देरिंग बाइकु

देरिंग ऑफर

₹86 181/- से शुरू

ऑफर पल्सर 125 CF/नियॉन मॉडल्स पर उपलब्ध*

DEFINITELY DARING

10
YEAR WARRANTY

BAJAJ
SECURE
AMC - ROAD SIDE ASSISTANCE

72198 21111

*नियम और शर्तें लागू. चुनिंदा मॉडलों पर 1 जून से 30 जून 2026 तक छूट उपलब्ध है. लागू ऑफर मॉडल/राज्यों के अनुसार भिन्न हो सकते हैं. ई-कॉमर्स ऑफर संबंधित ई-कॉमर्स पार्टनर की शर्तों के अधीन हैं. ई-कॉमर्स ऑफर पार्टनर के अनुसार भिन्न हो सकते हैं. उल्लिखित ESRP बेस वेरिएंट के हैं. ऑफर के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाएं. पल्सर 125 नियॉन पर ₹2 000/- की छूट.

Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Gohana: Mahadev BAJAJ 8222949408 • Panipat: SUVIDHA BAJAJ GT Road : 9812058111, 9812500103 MAHADEV BAJAJ, Jagjivan Ram Colony, Gohana Road 9138555376 • Kaithal: Shikha BAJAJ 9812392111/9812397111• Assandh: BALHARA BAJAJ 8059940113, 8059940114 • Rohtak: ANSH BAJAJ 9254211102 • Jhajjar: ANSH BAJAJ 7015152566: ANSH BAJAJ 9254211104 • Bahadurgarh: BABA BAJAJ 9215455501/03 • Faridabad: NIT,Railway Road:- GREEN BAJAJ 0129 -4036666, 9891020209 Old Faridabad Chowk 80764 05186; Bata Chowk 9873660066 ,Neharpar/ Kheri 9958273030, Pyall Chowk/Dabua - 99582 82112 • Gurgaon: JSB Bajaj :New Rly. Road: 7827786356; Sector 14 : 8882212365; Chakarpur: 8860099986; Manesar 7827786362; Pataudi 7827786354; • Khandas Road: 9355979205, Islampur : 9355979216; Sohna Road: 9355908502, 7838774480; Basai: 9218039153; Badshahpur: 9218039152; Wazirabad: 9355908530; Sec 18: 8860099943; Rewari: JSB Bajaj: Rewari - Delhi Rd 8295823621/9024761376 Nuh: Near bus Stand : Vidya Bajaj: 9350961708, 9350963537, 9485900072 • Sohna Road: 9355908502, 7838774480; Basai: 9218039153; Ambala City: GOYAL BAJAJ 9781111000• Ambala Cantt: Goyal Bajaj 9053016401 • KARNAL: VEER BAJAJ 7419646451• KURUKSHETRA: VEER BAJAJ 7419646472• Pehowa: RAJINDERA BAJAJ 9729670800• Jagadhri: KRISHNA BAJAJ 9812580711,9812589011 • Yamuna Nagar: KRISHNA BAJAJ 8059900787 • Panchkula: PANCHKULA BAJAJ 9115520031, 0172 - 5064356. • Hansi: BALHARA BAJAJ: 9468244600, 9416265833 • Sirsa: RAJA BAJAJ 9996027379 • Bhiwani: SHREE SHYAM BAJAJ 9518801045 • Charkī Dadri: BALHARA BAJAJ 7419977199, 9813201900 • Fatehabad: FATEHABAD BAJAJ 9017688012, 972869006 • Jind: BANSAL BAJAJ 9138215480 • Narnaul: RR BAJAJ 9466320249 • Ballabgarh: ARORA BAJAJ BALLABGARH: 7503000974/75 GAUNCHHI: 9069111729 VILL. TIGAON: 9873000517 •Palwal: VIDYA BAJAJ 9416636037, 9485900036, 9315332830.

एजेसी>>>नई दिल्ली

आखिरकार डीआरडीओ यानी डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन ने भारतीय वायुसेना को बाज की निगाह और चीते जैसी फुर्ती वाला नेत्रा एयरबोन अर्ली वॉर्निंग सिस्टम पूरी तरह से सौंप दिया। पूरी तरह से इसलिए, क्योंकि इस स्वदेशी सिस्टम का फाइनल ऑपरेशनल क्लीयरेंस अब तक बाकी था। ये सर्टिफिकेट ट्रायल और वैलिडेशन पूरा होने के बाद ही दिया जाता है। अब ये सर्टिफिकेट भी एयरफोर्स को मिल गया है, जिसके बाद नेत्रा अब जंग के मैदान में जाने के लिए तैयार है।

डीआरडीओ ने भारतीय वायुसेना को सौंपा

लगा होता है एईएसए रडार

नेत्रा एईडब्ल्यू एंड सी अपने प्लेटफॉर्म के तौर पर बाजील के एम्बेयर -145 एयरफ्रेम का इस्तेमाल करता है, जिसके ऊपरी हिस्से (डॉर्जल फिन) में एक एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड रेडार लगा होता है। ऐसे तीन विमान पहले शुरुआती ऑपरेशनल मंजूरी के साथ आईएएफ को सौंप गए थे। इन्होंने फरवरी 2019 में बालाकोट एयरस्ट्राइक में आईएएफ को गाइड करने वाले 'ऑपरेशनल बेन' के तौर पर अहम भूमिका निभाई थी।



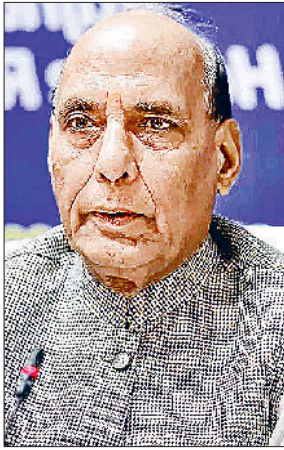
रडार लंबी दूरी के खतरे पता करने में सक्षम : नेत्रा के अलावा भारत रूस के आईएल-76 विमान पर आधारित तीन फाल्कन एयरबोन वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम का भी इस्तेमाल करता है। बेहतर इंजन वाले रूसी आईएल-76 विमान पर लगे फाल्कन सिस्टम में एडवॉर्ड रडार लगा है। यह रडार लंबी दूरी से हवा और जमीन से जुड़े खतरों—जैसे क्रूज मिसाइल और विमान का पता लगाने में सक्षम है।

चुनौतियों और फैसले का जिक्र

वीडियो मैकेज में इटीबेटेड डिफेंस स्टाफ के चीफ, एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा कि तेजी से बदलते जियोपॉलिटिकल माहौल में यह उपलब्धि और भी अहम हो जाती है। दीक्षित ने छह और एयरक्राफ्ट शामिल करके नेत्रा प्रोग्राम के प्रस्तावित विस्तार का भी स्वागत किया और भरोसा जताया कि भविष्य के प्रोजेक्ट्स भी स्वदेशी एयरबोन अर्ली वॉर्निंग सिस्टम जैसी ही सफलता हासिल करेंगे। इन अधिकारियों की रही मौजूदगी : बेंगलुरु में एफओसी सर्टिफिकेट सेरेमनी के दौरान रक्षा सचिव और डीआरडीओ के चैयरमैन राजेश कुमार सिंह ने भी डीजी (एरो) और एईडब्ल्यूएंडसी टीम को बधाई दी। सर्टिफिकेट सौंपने वाले समारोह में आईएएफ के पूर्व चीफ एयर चीफ मार्शल आरकेएस भट्टीरिया (रिटायर्ड), डीआरडीओ के पूर्व चैयरमैन एस क्रिस्टोफर सहित अर अधिकारी मौजूद थे।

मजबूती से होगी निगरानी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एफओसी की उपलब्धि न केवल एक तकनीकी मील का पत्थर है, बल्कि भारत की हवाई निगरानी और कमांड-एंड-कंट्रोल क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक रणनीतिक प्रगति भी है।



‘नेत्रा’ की 10 खासियत

- 300 से 360 डिग्री तक रडार कवरेज देता है
- रियल-टाइम बैटलफील्ड मैनेजमेंट कर सकता है
- दोस्त और दुश्मन की पहचान कर लेने की भी क्षमता है
- 250 से 500 किलोमीटर तक की जेट्स को रियल टाइम निर्देश दे सकता है
- लंबी दूरी से आने वाले प्रोजेक्टाइल का पता लगा लेने में सक्षम है
- दुश्मन के विमानों—ड्रोन और क्रूज मिसाइल को ट्रैक कर सकता है
- फाइटर जेट या कोई भी विमान के अलावा जहाजों का पता लगाता है
- नेत्रा बेहद खास तरह का एयरबोन रडार और कमांड सेंटर है
- इसकी तकनीक बेहतरीन है, जिससे दुश्मन का बच पाना मुश्किल है

खबर संक्षेप

छात्रा पर मड़का कोर्ट आपकी मर्जी नहीं चलेगी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कम हाजिरी से परीक्षा में बैठने से रोकने के विवि के फैसले को चुनौती देने वाली लॉ की छात्रा को 'लापरवाह और गैर-जिम्मेदाराना बयान देने के लिए' फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा न्याय का मतलब यह नहीं कि मैं जो चाहूँ और जैसे चाहूँ करूँ। जस्टिस विभा कंकनवाड़ी, अजित कदर्थकर की बेंच ने यह कहा।

टायर गोदाम में आग लाखों का माल खाक

मुंबई। मुंबई-नासिक हाइवे पर भिंवंडी के निंबावली इलाके में टायर और लकड़ी के पैलट के गोदाम में भीषण आग लग गई। आसमान में धुएं का गुबार छा गया। गोदाम को पूरी तरह आग ने अपनी चपेट में ले लिया है। जिससे गोदाम का सामान जलकर खाक हो गया।सभी कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया। कोई हताहत नहीं हुआ है।

अनंत अंबानी ने तिरुपति में चढ़ाए बाल

तिरुपति। रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी एक बार फिर गहरी धार्मिक आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर चर्चा में हैं। रविवार को उन्होंने आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुमला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगवान के दर्शन किए। पवित्र सुगंधात सेवा में भाग लिया। पारंपरिक केश दान किया।

अमरावती में हादसे में 5 लोगों की मौत

अमरावती। समृद्धि महामार्ग पर एक और हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। रविवार सुबह अमरावती के धामनगांव रेलवे तालुका में हुए इस हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब चंद्रपुर से मुंबई जा रही बैंगन-आर तेज रफ्तार ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई।

बेंगलुरु में ‘नशा मुक्त भारत सम्मेलन’ को संबोधित किया

उपराष्ट्रपति : नशा-मुक्त भारत बनाने के लिए लोगों का सामूहिक प्रयास जरूरी

नशा उत्पादकता, परिवार कल्याण और विकास में बाधक

एजेसी>>>बेगलुरु उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शिक्षण संस्थानों, परिवारों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों तथा कानून लागू कराने वाली एजेंसियों से नशा-मुक्त भारत बनाने के लिए मिलकर काम करने का रविवार का आह्वान किया। उन्होंने कहा यह अभियान सभी शैक्षणिक परिसरों, शहरों और पूरे देश में चलना जाना चाहिए।बेंगलुरु में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विवि के स्थापना दिवस समारोह और ‘नशा मुक्त भारत सम्मेलन’ में राधाकृष्णन ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति की सेहत के लिए, बल्कि शिक्षा, उत्पादकता, परिवार कल्याण का नाशक है।



आधारित समाधानों के जरिए मादक पदार्थों के खतरे से निपटने की कोशिशों में अगुवाई करेंगे।

खात्मे के लिए इच्छाशक्ति को अहम बताया उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत का दृष्टिकोण सिर्फ मादक पदार्थों का न होना नहीं है। स्वस्थ विकल्प, सोच-समझकर लिए गए फैसले, सहयोगी परिवार और मजबूत समुदाय।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य शिक्षा को मजबूत करने और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर तैयार करने में अहम है। छात्र उपचार, जन-जागरूकता, नीति-समर्थन और साक्ष्य-

आधारित समाधानों के जरिए मादक पदार्थों के खतरे से निपटने की कोशिशों में अगुवाई करेंगे।

मुख्यमंत्री मान न के

एजेसी>>>चंडीगढ़

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने रविवार को कहा कि बेअदबी कानून के मुद्दे पर सभी सिख विधायक और मंत्री 29 जून को अकाल तख्त के समक्ष पेश होंगे। मान ने अमृतसर में पार्टी विधायकों के साथ बैठक के बाद यह कहा। बैठक में अकाल तख्त के निर्देशों के मद्देनजर रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। मान ने कहा कि हमारे विधायक व मंत्री अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करेंगे। जय्येदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गुज ने 15 जून को सभी से बेअदमी कानून पर सवाल किए थे।

कुछ कानूनों को हटाने की बात आई सामने

अकाल तख्त ने पहले राज्य सरकार से कहा था कि वह बेअदबी कानून से उन प्रावधानों को हटाए, जो गुरु ग्रंथ साहिब, खालसा पंथ और 'संगत' (सिख समुदाय) की भावनाओं के खिलाफ हैं।



साहिब की बेअदबी से जुड़े किसी भी कृत्य के लिए उपरकंद सहित कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। अन्य दलों के सिख विधायकों ने पुष्टि कर दी कि वे अकाल तख्त के समक्ष पेश होंगे।

‘हरगिला आर्मी’, बर्नन के प्रयास सराहनीय

प्रधानमंत्री ने असम की 'हरगिला आर्मी' और जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन के प्रयासों की सराहना की। मोदी ने कहा कि असम में पाया जाने वाला दुर्लभ पक्षी 'हरगिला' प्रकृति को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण है, लेकिन लंबे समय तक इसे अशुभ माना जाता था। कई लोग उन पेड़ों को भी काट देते थे, जिन पर इस पक्षी के घोंसले बने होते थे।प्रधानमंत्री ने बताया कि जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन ने लोगों की इस सोच को बदलने का संकल्प लिया।

सफलताएं सभी भारतीयों के सामूहिक प्रयास का परिणाम

पीएम मोदी ने कहा कि ये सफलताएं देश की आत्मनिर्भर भारत की यात्रा को और मजबूत करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगातार विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊँचाइयों को छू रहा है और देश के नागरिकों की मेहनत तथा नवाचार इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां सरकार की नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं ।

योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने एक बार फिर पूरी दुनिया को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बताया कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जबकि भारत में करोड़ों लोगों ने योग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।



प्रधानमंत्री ने कहा-इस महीने भारत ने कई ऐसी उपलब्धियां हासिल कीं जिन पर गर्व

‘मन की बात’ में प्रधानमंत्री मोदी ने कई बातों का किया जिक्र

इस महीने भारत को कई उपलब्धियां मिलीं

मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 135वें एपिसोड में बोले

एजेसी>>>नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड के जरिए एक बार फिर देश और दुनिया भर में बसे भारतीयों से संवाद किया। सुबह 11 बजे प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर लोगों में खास उत्साह दिखा।

यह पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री और आम जनता के बीच सीधे संवाद का एक अहम माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महीने भारत ने कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन पर हर देशवासी को गर्व है। कोलकाता में आईएनएस दुनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौ-सेना के बेड़े में शामिल किया गया। इन जहाजों की डिजाइन और उत्पादन तक,सब कुछ स्वदेशी है। जून में ही एविएशन में भी देश ने एक बड़ी सफलता पाई। सी-295, ये विमान मेड इन इंडिया है और सी-295 विमान ने अपनी पहली उड़ान पूरी की है और ऐसे 40 विमान, भारत में ही बनाए जा रहे हैं। इससे देश सुरक्षित और आत्म निर्भर बन रहा है।

नांदेड़ के परिवार की सराहना की

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादुरपुरा गांव के पेटकर परिवार की सराहना की। इस परिवार ने अलोखा फैसला लिया। परिवार ने 3 हजार लोगों के लिए दुर्घटना बीमा की व्यवस्था की।

नगालैंड की जमीनी स्तर की खेल पहलों को सराहा

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में नगालैंड की जमीनी स्तर की खेल पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'नगालैंड बेबी लीग' और 'नगालैंड विमेन फुटसल लीग' युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का बेहतरीन मंच प्रदान कर रही हैं। पीएम मोदी ने बताया कि 'नगालैंड बेबी लीग' की शुरुआत बच्चों को फुटबॉल से जोड़ने के लिए की गई थी। 'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' समूह को प्रेरणादायी बताया

प्रधानमंत्री ने डोमिनिकन रिपब्लिक के 'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' समूह की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि यह पहल दुनिया भर में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है। स्पेनिश भाषी लोगों के इस समूह के सदस्य मिलकर वैदिक साहित्य का अध्ययन कर रहे हैं और वैदिक मंत्रों का उच्चारण भी सीख रहे हैं। आज वे पुरुष सूक्तम, श्री सूक्तम, श्री रुद्रम, दुर्गा सूक्तम और देवी महाव्रतम जैसे कई मंत्रों का सटीक जाप कर रहे हैं। उनका प्रयास बेहद प्रेरणादायक है।

सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का जिक्र किया

प्रधानमंत्री ने सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सस्ती बीमा योजनाएं देश के करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' के तहत केवल 20 रुपए के सालाना प्रीमियम पर 2लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया जाता है। योजना से 58 करोड़ से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' का भी उल्लेख किया।

अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होगा यूसीसी: सीएम शुभेंद्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की शुभेंद्र सरकार वर्तमान विधानसभा सत्र के दौरान राज्य में यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने के लिए एक बिल लाने की योजना बना रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने साफ किया कि कोड में कुछ भी शेड्यूल ट्राइब्स (एसटी) पर लागू नहीं होगा। समिक भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा का स्टैंड साफ है। यह पार्टी के इलेक्शन मैनिफेस्टो और राजनीतिक वादे का हिस्सा है।

राहुल की आलोचना पूर्व राष्ट्रपति प्रणब की बेटी शर्मिष्ठा बोली

राजनीति 24 घंटे 365 दिन का काम, राहुल कुछ इवेंट्स के बाद लगातार गायब हो रहे

एजेसी>>>नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि राहुलजमीनी स्तर पर कुछ दिन सक्रिय रहने के बाद गायब हो जाते हैं। शर्मिष्ठा ने बताया कि 2014 से, लगभग उसी समय से जब राहुल कांग्रेस के चेहर के रूप में उभरने लगे थे, पार्टी लगातार चुनाव हारती रही है। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ी यात्रा का अच्छा नतीजा मिला।

कुछ रैलियां की और फिर भागे

शर्मिष्ठा ने कहा कि अफसोस की बात है कि राहुल गांधी कुछ इवेंट्स करते हैं और फिर गायब हो जाते हैं। राजनीति 24 घंटे, 365 दिन का काम है। आप आते हैं और फिर 2 दिन बाद चले जाते हैं। आप कुछ रैलियां करते हैं और फिर चले जाते हैं। तो, मेरे हिसाब से राजनीति ऐसी नहीं होती।

दिल्ली में लगे राहुल के ‘गुमशुदा’ वाले पोस्टर

दिल्ली में कई जगहों पर राहुल गांधी के खिलाफ पोस्टर लगे हुए दिखाई दिए। ये मंडी हाउस, आईटीओ आदि इलाकों में लगे हुए थे। बड़े शब्दों में लिखा था- गुमशुदा। भाजपा के शहजाद पूनावाला ने सवाल उठाए थे।

बांधवगढ़ में घायल बाघ का सफल रेस्क्यू

घाव का इलाज करने के साथ ही ब्लड सैपल भी लिए

हरिभूमि न्यूज़>>>उमरिया

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बाघर परिक्षेत्र अंतर्गत बिरुहली बीट में एक बड़ी कामयाबी मिली है। यहां घायल अवस्था में मिले करीब 3 वर्षीय नर बाघ का रविवार को सफल उपचार किया गया। इलाज के बाद पार्क प्रबंधन की टीम ने बाघ को वापस उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया है। वर्तमान में श्याम और लक्ष्मण हाथियों व विशेष गश्ती दल की मदद से उसकी चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।



उपचार करती रेस्क्यू टीम

बाघ के एक पैर में चोट लगी थी दरअसल, गश्ती दल को बाघ के घायल पैर में चोट लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद क्षेत्र संचालक और उप संचालक के मार्गदर्शन में शनिवार से ही वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स और वन अमले ने बाघ की ट्रैकिंग शुरू कर दी थी। रविवार सुबह ट्रैकिंग दल को बाघ की लोकेशन मिली, जिसके बाद वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी ने उसे मुस्ती से ट्रैकुलाइज (बेहोश) किया।

चिंतन

अब देश में ही पूरा होगा विदेशी डिग्री का सपना

देश में उच्च शिक्षा के नए दौर की शुरूआत हो रही है। केंद्र सरकार द्वारा 15 प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की मंजूरी देना केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरूआत है। लंबे समय से लाखों भारतीय छात्र बेहतर शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय डिग्री के लिए विदेश जाने को मजबूर रहे हैं। अब वही अवसर देश के भीतर उपलब्ध होंगे। इससे न केवल छात्रों और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा। हर वर्ष लाखों भारतीय छात्र अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोप के अन्य देशों में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं। इस प्रक्रिया में करोड़ों डॉलर की विदेशी मुद्रा देश से बाहर जाती है। विदेश में पढ़ाई का कुल खर्च कई बार 80 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये से अधिक तक पहुंच जाता है, जो अधिकांश परिवारों की पहुंच से बाहर होता है। ऐसे में यदि वही डिग्री, वही पाठ्यक्रम, वही मूल्यांकन प्रणाली और अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी भारत में ही उपलब्ध हो जाए, तो यह लाखों छात्रों के लिए सुनहरा अवसर होगा। सरकार ने जिन विश्वविद्यालयों को मंजूरी दी है, उनमें यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन, ब्रिस्टल, यॉर्क, लिंकासूल, इलिनोइस टेक और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। इन विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का स्तर उनके मूल कैंपस के अनुरूप होगा। पाठ्यक्रम, परीक्षा, मूल्यांकन और डिग्री में कोई अंतर नहीं रखा जाएगा। यही नहीं, छात्रों को एक या दो सेमेस्टर विदेशी कैंपस में पढ़ने का अवसर भी मिलेगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की उस सोच को भी मजबूत करती है, जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि इस फैसले के साथ कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या विदेशी विश्वविद्यालय भारत में भी अपने मूल कैंपस जैसी गुणवत्ता बनाए रख पाएंगे? इसलिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अन्य नियामक संस्थाओं को नियमित निगरानी सुनिश्चित करनी होगी। फैकल्टी, शोध सुविधाएं, प्रयोगशालाएं, प्लेसमेंट और शैक्षणिक मानकों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। दूसरी चुनौती फीस को लेकर भी है। भले ही विदेश की तुलना में पढ़ाई का खर्च 30 से 40 प्रतिशत कम होगा, लेकिन यह अभी भी देश के अनेक विद्यार्थियों के लिए महंशी हो सकता है। इसलिए छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण और वित्तीय सहायता की मजबूत व्यवस्था जरूरी होगी। सरकार और विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्र केवल फीस के कारण इन संस्थानों से वंचित न रहें। इस निर्णय का एक बड़ा सकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था में भी पड़ सकता है। यदि आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में छात्र विदेश जाने के बजाय भारत में ही पढ़ाई करेंगे, तो विदेशी मुद्रा की बड़ी बचत होगी। भारत केवल छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत देश नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय शिक्षा का आकर्षक गंतव्य भी बन सकता है। विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खुलना भारतीय शिक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। इससे लाखों छात्रों का विदेशी डिग्री हासिल करने का सपना अपने ही देश में पूरा हो सकेगा। साथ ही ब्रेन ड्रेन में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत, वैश्विक स्तर की शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर जैसे अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा



सांख्यिकी संख्याओं का खेल नहीं, विकास का आईना है

भारत में हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य रोजाना की जिंदगी और योजना एवं विकास की प्रक्रिया में सांख्यिकी के महत्त्व के प्रति लोगों की जागरूक करना है। यह दिन भारत के प्रख्यात सांख्यिकीविद प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जन्मतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। वे आंकड़ों के जादूगर थे। भारत सरकार ने वर्ष 2007 में आधिकारिक तौर पर प्रत्येक वर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। पहला सांख्यिकी दिवस 29 जून 2007 को मनाया गया था। वर्ष 2026 का राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस भारत के लिए और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश विकसित भारत @2047 के विजन की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है, जहां डेटा-संचालित नीतियां देश की प्रगति का मुख्य आधार हैं। किसी भी योजना और परियोजना की सफलता उसके सांख्यिकीय महत्त्व पर निर्भर करती है। आंकड़े हमें नियोजित विकास की राह प्रदर्शित करते है। भारत सरकार सांख्यिकीय आंकड़ों के जरिये समय समय पर विकास का आइना दिखती है। यही हमारी प्रगति का अहसास कराती है। बाधाओं का ज्ञान भी कराती है। बिना आंकड़ों के हम किसी योजना की सफलता का अनुमान नहीं लगा पाते। सांख्यिकी केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह देश के विकास की कहानी कहने वाली भाषा है। जैसा कि प्रोफेसर पी. सी. महालनोबिस ने कहा था, सांख्यिकी का उद्देश्य केवल डेटा एकत्र करना नहीं है, बल्कि उसके आधार पर सही निष्कर्ष निकालकर समाज का कल्याण करना है। पीसी महालनोबिस बंगाली साईंटिस्ट और अफ्नाइड स्टैटिस्टीशन थे, जिनका जन्म 29 जून 1893 को कोलकाता में हुआ था। उन्हें पॉप्युलेशन स्टडीज की सांख्यिकी माप महालनोबिस डिस्टेंस देने के लिए जाना जाता है। वह स्वतंत्र भारत के पहले योजना आयोग के सदस्य भी थे। महालनोबिस ने ईंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट की नींव रखी और बड़े पैमाने पर सैपल सर्वे को तैयार करने में भी योगदान दिया। उनके इस योगदान के चलते उन्हें भारत में मॉडर्न स्टैटिस्टिक्स का पिता माना जाता है। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें स्वतंत्रता के बाद नवगठित केंद्रीय मंत्रिमंडल का सांख्यिकी सलाहकार भी नियुक्त किया था।

पंडित जवाहरलाल नेहरू के काफी नजदीक रहने के बावजूद उन्होंने कभी कोई पद आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया। सरकार ने महालनोबिस के विचारों का उपयोग करके कृषि और बाढ़ नियंत्रण के क्षेत्र में कई अभिनव प्रयोग किए। उनके द्वारा सुझाए गए बाढ़ नियंत्रण के उपायों पर अमल करते हुए सरकार को इस दिशा में अप्रत्याशित सफलता मिली। स्वतंत्र भारत में औद्योगिक उत्पादन की बढ़ोतरी तथा बेरोजगारी दूर करने के प्रयासों को सफल बनाने के लिए महालनोबिस ने ही योजना तैयार की थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने के उद्देश्य के लिए वर्ष 1949 में महालनोबिस की अध्यक्षता में ही एक श्राष्ट्रीय आय समििति का गठन किया गया था। जब आर्थिक विकास को गति देने के लिए योजना आयोग का गठन किया गया तो उन्हें इसका सदस्य बनाया गया। महालनोबिस चाहते थे कि सांख्यिकी का उपयोग देशहित में हो। उन्होंने देश को आंकड़ा संग्रहण की जानकारी दी। साथ ही भारत सरकार को दूसरी पंचवर्षीय योजना का मसौदा तैयार करने में उन्होंने अपनी अहम भूमिका निभाई। पीसी महालनोबिस बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। एक वैज्ञानिक होने के साथ ही साहित्य में भी उनकी जबरदस्त रुचि थी। उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की कृतियों पर अनेक लेख लिखे थे। शांति निकेतन में रहकर महालनोबिस ने टैगोर के साथ करीब 2 महीने का समय बिताया। इस दौरान टैगोर ने उन्हें आश्रमिका संच का सदस्य बना दिया। बाद में जब टैगोर ने विश्व भारतीय की स्थापना की, तो महालनोबिस को संस्थान का सचिव भी नियुक्त किया। आज जब भारत विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध सांख्यिकीय आंकड़े नीति निर्माण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। महालनोबिस का जीवन इस बात का प्रमाण है कि विज्ञान और सांख्यिकी का उद्देश्य केवल संख्याओं का संग्रह करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के हित में उनका सार्थक उपयोग करना है। डिजिटल युग में डेटा ही नई शक्ति बन चुका है और यह शक्ति भारत को आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसलिए सांख्यिकी को केवल विषय नहीं, बल्कि सुशासन, प्रदर्शिता व राष्ट्र निर्माण के सबसे प्रभावी उपकरण के रूप में स्वीकार करने की आवश्यकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)



मुद्रा

मनोज कुमार अग्रवाल

मध्य प्रदेश में उज्जैन जिले के बड़नगर में मुहर्रम जुलूस के दौरान क्रेन से करीब 40 फीट ऊपर लटकाई गई एक वैन में हुए विस्फोट जैसे प्रदर्शन ने सुरक्षा व्यवस्था, धार्मिक आयोजनों की मर्यादा और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं । पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस्तेमाल की गई सामग्री क्या थी तथा इस प्रदर्शन का उद्देश्य क्या था । किसी भी धार्मिक आयोजन की आड़ में ऐसा कोई भी कृत्य, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका हो, कानून के दायरे में निष्पक्ष और सख्ती से जांच का विषय होना चाहिए ।

मोहर्रम की आड़ में दहशतगर्दी क्यों?

मध्य प्रदेश के महाकाल की नगरी उज्जैन में मुहर्रम के जुलूस के दौरान एक कार को क्रेन से लगभग 40 फीट ऊपर उठाया गया। फिर उसे “धमाके से उड़ा दिया गया” । ये घटना 24 जून को उज्जैन के बड़नगर इलाके में हुई थी। अब इस मामले में चार लोगों के खिलाफ पुलिस केस दर्ज किया है। कहा जा रहा है कि ये खतरनाक काम स्थानीय अखाड़ों के बीच एक प्रतियोगिता के तौर पर किया गया था, ताकि भीड़ जुटाई जा सके और सोशल मीडिया पर ध्यान खींचा जा सके। पुलिस के मुताबिक, बड़नगर के अदान इलाके से मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था, तभी लोगों की भारी भीड़ के सामने यह स्टंट किया गया। जिस कार पर “ले फिर आ गए” लिखा था, उसे क्रेन से ऊपर उठाया गया। कार में सवार दो युवक लाल झंडे लहरा रहे थे, तभी धुएं, चिंगारियों और टूट हुए कांच से ऐसा नजारा बना जैसे कोई जबरदस्त धमाका हुआ हो। मौके पर “शरे अदान अखाड़ा” के पोस्टर भी दिखाई दिए।

बता दें कि इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने ‘मुहर्रम’ का मुख्य उद्देश्य पैगंबर हजरत मुहम्मद के नवासे, इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला में हुई शहादत का शोक और मातम मनाना है। यह कोई आतंक या शक्ति प्रदर्शन का त्योहार नहीं है, बल्कि जुल्म और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का प्रतीक है। हालांकि, मुहर्रम के दौरान जुलूसों (अखाड़ों) में कुछ जगहों पर तलवारबाजी, आग के करतब, या कभी-कभी गैर-पारंपरिक स्टंट (जैसे वाहनों में विस्फोट करना) जैसे खतरनाक प्रदर्शन किए जाते हैं। कर्बला की जंग (680 ईस्वी) की याद में अखाड़ों के माध्यम से युवा अपनी बहादुरी, पारंपरिक हथियारों के इस्तेमाल और लड़ने की कला (मार्शल आर्ट्स) का प्रदर्शन करते हैं। कभी-कभी धार्मिक जोश में आकर युवा भीड़ को आकर्षित करने के लिए खरननाक स्टंट या आतिशबाजी करते हैं, जिसे अक्सर बाहरी लोग आतंक या डराने वाला शक्ति प्रदर्शन समझ लेते हैं। कुछ असामाजिक तत्व या अयोजक ऐसे विवादास्पद प्रदर्शन जानबूझकर करते हैं ताकि समाज में दहशत फैले, दो समुदायों के बीच तनाव पैदा हो, या राजनैतिक रोटियां सेकी जा सके। ऐसे भड़काऊ और हिंसक प्रदर्शनों को लेकर प्रशासन द्वारा हमेशा सख्ती बरती जाती है और अक्सर आयोजकों के खिलाफ पुलिस मामले भी दर्ज किए जाते हैं। अधिकांश मुस्लिम संगठन और विद्वान भी ऐसे खतरनाक प्रदर्शनों को इस्लाम के मूल सिद्धांतों के खिलाफ मानते हैं। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जिसमें संवैधानिक व्यवस्था के अन्तर्गत बहुसंख्यकों के बराबर ही अल्पसंख्यकों को समान रूप से धार्मिक सांस्कृतिक त्योहार मनाने की

व्यवस्था है, लेकिन मोहर्रम जैसे आयोजन की आड़ लेकर सार्वजनिक स्थल पर सरेआम एक क्रेन के जरिए एक वैन को 40 फुट ऊपर लटकाकर उसमें विस्फोट करना कहीं न कहीं उपद्रवी अराजकता आतंक फैलाने और दूसरे समुदाय में दहशत पैदा करने की मानसिकता का नंगा नाच है। पूर्व में भी देश के कई हिस्सों में मोहर्रम पर इसी तरह के हथियारों बरछी भाले तलवारों के साथ अराजकता का प्रदर्शन किया जाता रहा है और हर साल इस प्रदर्शन व जुलूस के दौरान सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की दर्जनों वारदातों का होना रिकार्ड है। इस के चलते राज्य सरकारों द्वारा इस आयोजन के पहले



लगातार सख्त निर्देश जारी किए जाते हैं और स्थानीय प्रशासन द्वारा इस मौके पर शांति अमन-चैन बनाए रखने के लिए शांति कमेटी की बैठक की जाती है। इसके बावजूद देश भर में कई शहर कस्बे अशांति और तनाव के दौर से गुजरना पड़ा है। उज्जैन के बड़नगर में मुहर्रम जुलूस के दौरान एक वैन को क्रेन से लटकाकर किए गए धमाके के बाद तीन मुस्लिम एवं एक हिन्दू के खिलाफ एफ़आईआर की गई है। इनमें तीन को गिरफ्तार भी किया गया है। एटीएस व एफएसएल ने जांच शुरू की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में मुहर्रम के जुलूस में ऐसी घटना ने कई सारे सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद उज्जैन के साथ-साथ भोपाल (पुलिस मुख्यालय) भी सकंते में बताया गया है। तीन मुस्लिम एवं एक हिन्दू युवक सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर की गई है। इनमें तीन को गिरफ्तार भी किया गया है। आरोपियों से पूछताछ हुई है। सामने आया है, घटना के बाद उज्जैन के साथ-साथ भोपाल (पुलिस मुख्यालय) भी सकंते में बताया गया है। तीन मुस्लिम एवं एक हिन्दू युवक सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर की गई है। इनमें तीन को गिरफ्तार भी किया गया है। आरोपियों से पूछताछ हुई है। सामने आया है, घटना के बाद उज्जैन के साथ-साथ भोपाल (पुलिस मुख्यालय) भी सकंते में बताया गया है। तीन मुस्लिम एवं एक हिन्दू युवक सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर की गई है। इनमें तीन को गिरफ्तार भी किया गया है। आरोपियों ने वैन को क्रेन के जरिए 40 फीट हवा में उठाया। दो युवक लाल झंडे लेकर उस पर खड़ा रहे। झंडा लहराते रहे। अपनी बात रखते रहे। बाद में इसमें

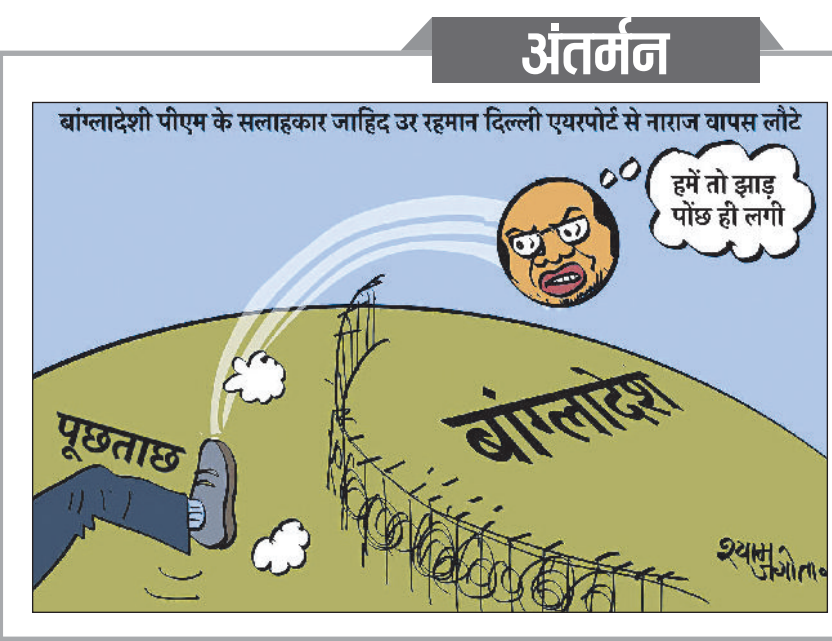
ब्लास्ट किया गया। हंगामा इसलिए बरपा क्योंकि वैन पर लिखा हुआ था, ‘ले, फिर आ गए।’ सवाल यही उठाया गया कि ये (ले, फिर आ गए) क्यों एवं किसके लिए लिखा गया होगा। हालांकि यह भी कहा गया है कि ‘ले, मैं फिर आ गया’ लिखा था। दावा ये भी कि विस्फोट पटाखों से किया गया। मगर पुलिस, एफएसएल टीम एवं एटीएस की टीमें हरैक एंगल से जांच कर रही है। विस्फोटक क्या था, पता लगाने में जुटी हुई है। ब्लास्ट से वैन के कांच फूटकर हवा में उड़ गए थे। लोग नीचे तमाशबीन बने रहे। अच्छा यह रहा कि किसी को चोट नहीं लगी। घटनाक्रम के वीडियो सामने आने के बाद विशेष शुरू हुआ। हिन्दू संगठनों ने आपत्तियां जताईं। कार्रवाई की मांग की।सामने आया है कि हिन्दू युवक किराये से क्रेन देने काम करता है। उसका कहना है, जुलूस में फूल बरसाने के लिए क्रेन की मांग की गई थी। आयोजनकर्ता की मांग पर उसने क्रेन दे दी। वीडियो वायरल होने के बाद उसे मालूम हुआ कि आयोजक गलत कथन करके वैन को ले गए थे। घटना के बाद उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने मीडिया बयान में कहा, ‘बड़नगर में अडान और शरजील अखाड़ों में संघर्ष चलती है। दोनों अखाड़े एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ताक में रहते हैं। संभव है कि इसी वजह से पूरा घटनाक्रम हुआ और भड़काऊ संदेश लिखे गए हैं। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।’ बता दे कि विश्व मानचित्र पर हिन्दू धर्म की पवित्र पहचान रखने वाले धार्मिक नगरी उज्जैन में इस तरह का प्रदर्शन आतंकवाद का छिपा समर्थन करने वाले तत्वों का सुनियोजित षड्यंत्र हो सकता है। उज्जैन के साथ-साथ बड़नगर, उन्हेल, नागदा और महिदपुर संवेदनशील क्षेत्रों में शुमार हैं। सांप्रदायिक उन्माद की घटनाएं इन क्षेत्रों में होती रही हैं, लिहाजा पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतना चाहिए थी। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उज्जैन ‘मुख्यमंत्री का गृह जिला है। वे गृह महकमे के दायित्व का निर्वहन भी करते हैं। ऐसे में पुलिस की अतिरिक्त सतर्कता ज्यादा बनती है, लेकिन दुखा गया है कि प्रशासन सतर्क नही था अन्याथा यह वारदात को अंजाम नहीं दिया जाता सवाल यह है कि राज्य की खुफिया ईकाई ने समय से पहले इस तरह की आतंकी कार्रवाई की पूर्व सूचना क्यों नहीं दी? मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक पहले से ही धर्मरूपाओं और आयोजकों के साथ संवाद स्थापित करें, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। कानून ऐसे दंगाइयों अराजकता फैलाने वाले समाजकंटकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

शरणागति के संत ‘गोस्वामी तुलसीदास’

भगवान शंकर जी ने भी विष पिया और गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी। दोनों ने समाज को रामकथामृत देकर धन्य कर दिया। संसार में और समुद्र में अमृत-मंथन करने पर विष अवश्य निकलेगा, पर उसमें राम को जोड़ दिया तो वह विष भी अमृत हो जाएगा। यही तुलसीदास जी ने किया- ***गरल सुधा रिपु करहिं मिताई, गोपद सिंधु अनल सित लाई। गरुड़ सुमेरु रेनु सम ताही, राम कृपा करि चितवा जाही।*** राम नाम के प्रति गोस्वामी की आस्था तो सावन नासके के अंधे की तरह थी, जिन्हें राम प्रेम में सब हरा ही हरा दिखाई देता था। राम की कृपा के प्रति गोस्वामी तुलसीदास जी की यह जो दीनता और शरणागति है, यही उनका चरम पुरुषार्थ है। कृपा के मूल में पुरुषार्थ नहीं होता है, अपितु पुरुषार्थ के मूल में कृपा होती है। रामचरितमानस कृपासाध्य ग्रंथ है, साधन साध्य नहीं। कर्म, उपासना, साधन, अनुष्ठानदि सब ठीक हैं, पर यह सब पाने के साधन हैं, किंतु जिसके जीवन में प्राप्तव्य ही कृपा से प्राप्त हुआ हो, वह क्या करे? रामचरितमानस में पुरुषार्थ के चरम आदर्श श्री लक्ष्मण जी और कृपा के चरम आदर्श श्री भरत जी दोनों के आदर्श और सर्वस्व श्रीराम हैं। इसका तात्पर्य यह है कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने वाल्मीकि जी, व्यास जी और जितने भी श्रेष्ठवम पुराणकार हुए सबकी वंदना की है, पर उन्होंने अपने ग्रंथ में न तो इतिहास को उठाया, न किसी ग्रंथ से कुछ लिया। इसीलिए श्रीरामचरितमानस भक्तों के हृदय सिंहासन पर विराजमान हो सका।



करंट अफेयर

वॉशिंगटन में भारतीय आमों का स्वाद चखने उमड़ी भीड़

अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित ‘ड्यूपॉन्ट सर्कल’ में हजारों लोग भारतीय आमों की मिठास और लजीज बिरयानी का स्वाद लेने के लिए उमड़ीं । भारतीय दूतावास ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया था जिसमें भारतीय मूल के अमेरिकी वर्जीनिया और मैरीलैंड से ड्यूपॉन्ट सर्कल पहुंचे । उन्होंने पुरानी यादें ताजा कीं और केसर, लंगड़ा एवं मालदा सहित विभिन्न किस्मों के रसीले आमों का स्वाद चखा । अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की दिशा ने केसर आम का लुक उठाते हुए कहा, ‘मुझे याद है कि गर्मियों में मेरी दादी हमें आम खिलाया करती थीं । मैं बस भारतीय आमों का स्वाद लेने के लिए ही यहां आई हूं ।’ फुटबॉल दिव्य काप देखने के लिए अमेरिका की यात्रा कर रहे एंड्रयू ने कहा, ‘मैंने पहले कभी इतना स्वादिष्ट आम नहीं खाया ।’ ‘टेस्ट द ट्रॉपिकल मैजिक’ नामक यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षों से वॉशिंगटन में गर्मियों के दौरान प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता रहा है और इसका दायरा हर साल बढ़ता जा रहा है । अमेरिका में भारत के राजदूत विमल मोहन वात्रा ने कहा, ‘यहां केवल आम का की एक प्रांक या भारत की झलक ही नहीं, बल्कि भारत के विविध स्वाद उपलब्ध है ।’



इसमें थोड़ी मात्रा में पशु उत्पाद और स्वस्थ वसा के लिए स्थान है, लेकिन अतिरिक्त चीनी बहुत कम रखी जानी चाहिए। विशेष रूप से मक्खन का कहीं जिक्र नहीं किया गया । सबसे विवादास्पद सिफारिश है-मांस की मात्रा: केवल 14 ग्राम प्रतिदिन लाल मांस और 29 ग्राम प्रतिदिन चिकन । न्यूजीलैंड का पारंपरिक आहार इस सिफारिश से काफी अलग है । लेकिन देश भर में किशोर लड़कियों पर किए गए एक हालिया अध्ययन से संकेत मिलता है कि अब एक बदलाव आ रहा है ।

आज की पाती

चढ़ावे की चोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो

चार माह पहले मुझे अयोध्या, प्रयागराज व काशी जाने का सोभाग्य प्राप्त हुआ था । मैंने नहीं सोचा था कि अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे के पैसे पर ही डाका पड़ जाएगा । जो लोग चढ़ावे के नोट गिनते थे, उन्होंने ही हेराफेरी कर ली । बताया जाता है कि पिछले चार वर्षों में करोड़ों का घोटाला हो गया और यह हेराफेरी करने वालों के संबंध बड़े बड़े लोगों से हैं । लोगों द्वारा चढ़ाए गए करोड़ों रुपए के सोने-चांदी व हीरे के हार गायब हो गए हैं । इस संबंध में जनता चाहती है कि घोटाला करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो । प्रचार किया जाता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार के प्रति सख्त रवैया रखने वाले मुख्यमंत्री है, तो क्यों न इस घोटाले के आरोपियों को बेनकाब किया जाए ।

— *संजय कश्यप, करनाल*

ऑफ बीट

आहार की नई सिफारिश में सब्जियों पर अधिक जोर

ईएटी-लैंसेट आयोग का कहना है कि पिछले सप्ताह जारी उनके ‘प्लेनेटरी हेल्थ डाइट’ को अपनाने से दुनिया भर में प्रतिदिन 40,000 समस्यापूर्ण मौतों को रोका जा सकता है और 2050 तक कृषि से होने वाले मिथेन उत्सर्जन में 15 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है । इस आहार में अधिक सब्जियों, फल, साबुत अनाज, दालें और मेवे शामिल करने की सिफारिश की गई है, जबकि मांस, मछली, मुरगी और दुग्ध उत्पाद को सीमित मात्रा में रखा गया है । यदि आप एक थाली की कल्पना करें, तो उसका आधा हिस्सा सब्जियों और फलों (जिनमें सब्जियां अधिक हों) से भरा होना चाहिए । बाकी आधे हिस्से में साबुत अनाज और वनस्पति आहारित प्रोटीन शामिल हों ।

इसमें थोड़ी मात्रा में पशु उत्पाद और स्वस्थ वसा के लिए स्थान है, लेकिन अतिरिक्त चीनी बहुत कम रखी जानी चाहिए। विशेष रूप से मक्खन का कहीं जिक्र नहीं किया गया । सबसे विवादास्पद सिफारिश है-मांस की मात्रा: केवल 14 ग्राम प्रतिदिन लाल मांस और 29 ग्राम प्रतिदिन चिकन । न्यूजीलैंड का पारंपरिक आहार इस सिफारिश से काफी अलग है । लेकिन देश भर में किशोर लड़कियों पर किए गए एक हालिया अध्ययन से संकेत मिलता है कि अब एक बदलाव आ रहा है ।



मतदाताओं से बातचीत करेंगे

मैं जम्मू-कश्मीर की खूबसूरत वादियों के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले मतदाताओं के साथ बातचीत करूंगा, खासकर बडगाम जिले के जमीनी स्तर पर कार्यरत ब्यू-सटरीय अधिकारियों के साथ, जो आयोग की नींव हैं। बीएलओ और अन्य संबंधित पक्षों के साथ संवाद करेंगे।



-ज्ञानेश कुमार, सीईसी

अपने अंदर झांके पाक

हमने कटौती में घटना के संबंध में भारत के खिलाफ निष्पक्ष आरोप लगाने वाली पाकिस्तानी रिपोर्ट देखी है। हम इन आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। दूसरे पर उम्मील उज्जने के बजाय, पाक को अपने अंदर झांकना चाहिए।

-रणधीर जायसवाल, प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय

सख्त कार्रवाई होगी

मुझे जानकारी मिली है कि पान मसाला व गुच्छा जैसे उत्पादों में भी नश्व मिलाना जा रहा है। यदि कोई इन उत्पादों में थोड़ी-सी मात्रा में भी कोई नशीला पदार्थ मिलाता पाया गया, तो कर्नाटक में ऐसे उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। -डीके शिवकुमार, सीएन, कर्नाटक

सबसे यादगार पल

दिव्य गैपिंगशिय मेरे करियर के सबसे खास टूलमीट में से एक है। कुछ सबसे यादगार पल, सबसे मुश्किल सबक और सबसे फ्रक करने वाली उपलब्धियां इसी रांग पर मिली हैं। भारत में अपने प्रसक्तों के सामने दिव्य गैपिंगशिय में खेलने का मौका और भी दिव्य बनता है। -पीवी सिंधु, बैडमिंटन खिलाड़ी

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001
फोन- 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

हरिभूमि कम्यूनिक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वार हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक ईडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com

Postal Regd. No. P/RTK/38/2026-28